देवी-देवताओंकी उपासना : शक्ति – खण्ड ५

श्री सरस्वतीदेवी

(अध्यात्मशास्त्रीय विवेचन एवं उपासना)

भूमिका

श्री सरस्वतीदेवी अर्थात विद्या एवं कलाकी देवी । उनकी भावपूर्वक उपासनासे उपासककी बुद्धि सात्त्विक बनती है; उसे विविध प्रकारकी कलाएं एवं ज्ञान प्राप्त होता है । अधिकांश उपासकोंको श्री सरस्वतीदेवीसम्बन्धी जो थोडा-बहुत ज्ञान होता है, वह बचपनमें पढी-सुनी कथाओंसे होता है । देवीके विषयमें ज्ञान जितना अधिक होगा, उपासना भी उतनी ही उचित ढंगसे होगी ।

इस लघुग्रन्थमें श्री सरस्वतीदेवीसे सम्बन्धित, प्रायः अन्यत्र कहीं उपलब्ध नहीं, परन्तु उपयुक्त अध्यात्मशास्त्रीय ज्ञान दिया है । इस ग्रन्थमें अधिकांश ज्ञान ईश्वरसे प्राप्त है; परन्तु विषय पूर्ण होनेकी दृष्टिसे आवश्यक ज्ञान अन्य ग्रन्थोंसे भी लिया गया है । श्री गुरुचरणोंमें यही प्रार्थना है कि इस लघुग्रन्थको पढकर प्रत्येक को अधिकाधिक साधना करनेकी प्रेरणा मिले । – **संकलनकर्ता**

अनुक्रमणिका

१. व्युत्पत्ति एवं अर्थ ११

२. कुछ अन्य नाम ११

३. निर्मिति १२

४. सम्बन्धित रूप १७

५. कार्य १९

६. परिवार २३

७. सरस्वतीलोक २४

८. मूर्तिविज्ञान २८

* श्री सरस्वतीदेवीद्वारा धारण किए गए आभूषण २९

* श्री सरस्वतीदेवीकी वीणाका महत्त्व ३०

९. उपासना ३२

१०. अनुभूतियां ५५

११. ग्रह एवं सरस्वती ५७

१२. शिवके दो रूप एवं सरस्वती ५८